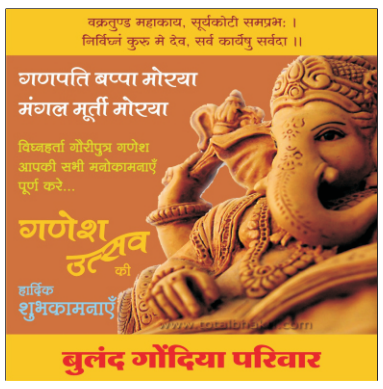

साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 3 | अंक : 04 | गोंदिया : गुरुवार, 1 से 7 सितम्बर 2022 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

ढोल-ताशों के साथ पधारे बप्पा

बुलंद गोंदिया - प्रथम पूज्य श्री गणपति बप्पा का उत्सव इस वर्ष 31 अगस्त बुधवार शुरु हुआ। प्रथम दिन विघ्नहर्ता की प्रतिमा सार्वजनिक स्थानों व घरों में बाप्पा के भक्तों ने भारी उत्साह के साथ ढोल-नगाड़े के साथ विराजित किया।

गौरतलब है कि गणेश उत्सव के दौरान गत 2 वर्षों में कोरोना संक्रमण के प्रतिबंधों के चलते बाप्पा के भक्तों द्वारा गणेश उत्सव का पर्व साधारण रुप से आयोजित किया गया था। किंतु इस वर्ष कोरोना का संक्रमण लगभग खत्म होने व शासन द्वारा प्रतिबंधों को समाप्त किए जाने के चलते गत 2 वर्षों की कसर इस वर्ष भक्तों द्वारा भारी उत्साह के साथ बाप्पा का आगमन कर दूर की गई। शहर के साथ-साथ जिले में सार्वजनिक स्थानों में सैकड़ों व नागरिकों ने अपने घरों में हजारों प्रतिमाओं को स्थापित कर 10 दिनों तक बाप्पा की विधि विधान से पूजा अर्चना की जाएंगी।

गणेश उत्सव के 10 दिनों के पर्व के दौरान सार्वजनिक पंडालों में धार्मिक कार्यक्रमों के साथ-साथ शासन द्वारा जनहित में जारी किए गए अनेक कार्यक्रमों को जनजागृति के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। जिसके लिए सभी पंडालों को प्रशासन द्वारा दिशा निर्देश भी दिए गए हैं।

गणेश मंडल कानून व सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में करें सहयोग - विश्व पानसरे

बुलंद गोंदिया - जिले में गणेश उत्सव के दौरान कानून एवं सुरक्षा को बनाए रखने के लिए सभी गणेश मंडल पुलिस प्रशासन का सहयोग करें, ऐसा आवाहन जिलाधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी नयना गुंडे की अध्यक्षता में आयोजित शांति समिति के पदाधिकारियों के साथ आयोजित सभा में जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे ने किया।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले में गणेश उत्सव इस वर्ष बड़े धूमधाम से आयोजित किया जा रहा है। जिसके लिए इसके पूर्व जिलाधिकारी कार्यालय में जिला अधिकारी नयना गुंडे की अध्यक्षता में जिला शांति समिति वे पदाधिकारियों व गणेश मंडल के पदाधिकारियों की सभा आयोजित की गई थी। उपरोक्त सभा में जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे ने अपने संबोधन में कहा कि पर्व के दौरान शांति व सुरक्षा बनाए रखने व के लिए जिला पुलिस को सहयोग करें। इस दौरान जिलाधिकारी नयना गुंडे ने अपने संबोधन में कहा कि गणेश उत्सव के दौरान पर्यावरण के संरक्षण व संवर्धन से संबंधित जनजागृति तथा कोविड-19 टीकाकरण से संबंधित जनजागृति, बूस्टर डोज कैंप आयोजित करने का आव्हान किया है। साथ ही पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे ने कहा कि गणेश उत्सव की शोभायात्रा के दौरान मंडलों को नियमों का पालन करने के साथ ही अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर भी प्रतिबंधक कार्रवाई की जा रही है।

उपरोक्त सभा में शांति समिति के सदस्य व गणेश मंडल के पदाधिकारियों द्वारा दिए गए सुझाव को सामने रखा गया। प्राप्त सुझावों को पुलिस प्रशासन व समिति के सदस्यों के माध्यम से हल किया जाएगा। साथ ही जिले में उत्सव के दौरान उत्कृष्ट गणेश उत्सव मंडल को पुरस्कार दिए जाने संबंधित राज्य सरकार द्वारा जारी किए गए परिपत्र की जानकारी दी गई। आयोजित सभा में जिलाधिकारी नयना गुंडे, जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, जिप के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिल पाटिल, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर, पुलिस उप अधीक्षक गृह, गोंदिया तिरोड़ा उपविभागीय पोलीस अधिकारी, नगर परिषद मुख्य अधिकारी व सभी थानों के प्रभारी अधिकारी तथा प्रशासकीय विभागों के अधिकारी व जिला शांति समिति के पदाधिकारी उपस्थित थे।

श्री कृष्ण गौरक्षण सभा अध्यक्ष पद पर दामोदर अग्रवाल निर्वाचित

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले की 100 वर्षों से अधिक पुरानी प्रतिष्ठित संस्था संस्था श्री कृष्णा गौरक्षण सभा के आगामी कार्यकाल के लिए सोमवार 29 अगस्त को चुनाव संपन्न हुए। जिसमें दामोदर बंसीधर अग्रवाल कांटे के चुनाव में 29 मतों से विजयी घोषित हुए। गौरतलब है कि गोंदिया जिले की श्री कृष्णा गौरक्षणसभा गत 100 वर्षों से गौशाला संचालित कर रही है, जिसमें वर्तमान में 800 के करीब गोवंश है। जिसके आगामी कार्यकाल के लिए 29 अगस्त सोमवार को गणेश नगर स्थित रानी सती मंदिर हाल में मतदान किया गया। संस्था के 1048 मतदाताओं में से 867 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें दामोदर बंसीधर अग्रवाल को 444 मत, वही वर्तमान अध्यक्ष रमाकांत अग्रवाल को 414 मत प्राप्त हुए तथा 8 मत अवैध घोषित किए गए। इस प्रकार 29 मतों से दामोदर अग्रवाल निर्वाचित घोषित किए गए। चुनावी प्रक्रिया श्री कृष्णा गौरक्षण सभा ट्रस्ट के पदाधिकारी व चुनाव अधिकारी के रुप में कचरुलाल शर्मा ने संपन्न करवाया। दामोदर अग्रवाल के विजयी घोषित होते ही उनके समर्थकों द्वारा पुष्पहार पहनाकर उन्हें शुभकामनाएं दी गयी।

महावितरण के मगराये अधिकारी को विधायक अग्रवाल ने सिखाया सबक

रामनगर थाने में दोनों पक्षों के सैंकड़ों समर्थकों की जुटी भीड़, नहीं की शिकायत दर्ज

बुलंद गोंदिया - महावितरण के मगराये अधिकारी उपकार्यकारी अभियंता गोंदिया ग्रामीण राजेश कंगाले के सूर्याटोला स्थित कार्यालय में पहुंचकर विधायक विनोद अग्रवाल द्वारा उपभोक्ता की लाइन काटने के विषय को लेकर सबक सिखाया तथा अधिकारी की जमकर खबर ली। इस मामले को लेकर महावितरण के कर्मचारी बड़ी संख्या में जमा होकर रामनगर थाने में शिकायत करने पहुंचे। जिसकी जानकारी विधायक के समर्थकों को मिलते ही वे भी रामनगर थाने में पहुंचे, जहां स्थिति गरमा गई। किंतु दोनों पक्षों की चर्चा के पश्चात मामला हल हुआ तथा किसी भी पक्ष द्वारा शिकायत दर्ज नहीं करवाई गई।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार गोंदिया से लगे ग्राम नंगपुरा मुर्री निवासी एक उपभोक्ता की विद्युत लाइन काटी गई थी। इस प्रकरण में विधायक विनोद अग्रवाल द्वारा सूर्याटोला स्थित उपविभाग कार्यालय में पहुंचकर गोंदिया ग्रामीण उपविभाग के उपकार्यकारी अभियंता राजेश कंगाले से चर्चा की। इस दौरान स्थिति तनावपूर्ण होने पर विधायक ने उपअभियंता को तमाचे जड़ दिया।

प्रकरण इस प्रकार है कि मुर्री निवासी लारोकर पर 11000 का विद्युत बिल बकाया था, जिसकी वसूली के लिए उपरोक्त अधिकारी शुक्रवार को गए थे। जिस पर सोमवार को बिजली बिल भरने की बात कहकर 4000 का बिल भरा था तथा बकाया बिल बाद में भरने की बात की थी। किंतु अधिकारी द्वारा विद्युत लाइन काटी गई थी। उपरोक्त प्रकरण में विधायक द्वारा सूर्याटोला स्थित कार्यालय में पहुंचकर अधिकारी से बात की। किंतु मगराये अधिकारी द्वारा इसे अनदेखी कर हटधर्मी अपनाते हुए विधायक के साथ विवाद किया। जिससे आक्रोशित होकर विधायक ने उसके गाल पर तमाचा जड़ दिया। इस घटना की जानकारी महावितरण के कर्मचारियों को मिलते ही पुलिस में मामला

दर्ज करने की मांग को लेकर रामनगर पुलिस थाने में बड़ी संख्या में पहुंचे। विधायक के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाने की जानकारी जब विधायक के समर्थकों को मिली तो वे भी बड़ी संख्या में रामनगर पुलिस थाने में पहुंचे।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विधायक स्वयं रामनगर थाने पहुंचे। जहां महावितरण के वरिष्ठ अधिकारियों व विधायक विनोद अग्रवाल तथा उनके समर्थकों के बीच काफी देर तक इस विषय को लेकर चर्चा चली। जिसमें दोनों पक्षों की चर्चा के पश्चात दोनों पक्षों द्वारा एक दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज ना करवाने का आपसी समझौता किया व थाने में शिकायत दर्ज नहीं हुई।

अधिकारियों की मनमानी

महावितरण के अधिकारियों द्वारा गत कुछ महीनों से मनमानी की जा रही है। लोडसेटिंग नहीं होने के बावजूद जिले में लोडसेटिंग की जा रही है। इस संदर्भ अनेकों बार वरिष्ठ अधिकारियों से बात की गई, किंतु वे समाधान कारक जवाब नहीं देते। जब महावितरण का उपभोक्ता आम नागरिक महावितरण की शिकायत लेकर उनके कार्यालय आया तो निजी सचिव ने अभियंता से बात कर उपभोक्ता द्वारा जितने पैसे दिए जा रहे हैं उतने भरकर बाकी के पैसे 8 दिन में भरने का आश्वासन दिया था। किंतु इस संदर्भ में संबंधित अधिकारी द्वारा उचित ध्यान नहीं दिया गया। इस विषय को लेकर जब एक जनप्रतिनिधि होने के नाते उनके कार्यालय में पहुंच कर समझाया, लेकिन वे अपने पद का दुरुपयोग कर ग्राहकों की समस्या सुनने को तैयार नहीं थे। यदि उपभोक्ता आधे पैसे भरने को तैयार है, तो नियमानुसार विद्युत आपूर्ति खंडित नहीं की जा सकती। लेकिन महावितरण के अधिकारियों द्वारा मनमानी की जा रही है। उपराक्त प्रकरण में मारपीट जैसी कोई घटना नहीं हुई है।

-विनोद अग्रवाल,
विधायक गोंदिया विधानसभा

गर्ग द्वारा लगाए मारपीट व वसुली के आरोप निराधार

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर की रेलटोली निवासी अपने आप को शिक्षिका बता कर महिलाओं की मदद के नाम पर 50 हजार के कर्ज के बदले 30 प्रतिशत प्रतिदिन के हिसाब से ब्याज वसूलने के ज्योति गर्ग के द्वारा लगाए गए आरोप बेबुनियाद और निराधार हैं। जबकि ज्योति गर्ग ने उनके साथ 12 लाख रुपए की ठगी करने के साथ ही अन्य महिलाओं के साथ भी लाखों रुपए की धोखाधड़ी की है। इस प्रकार की जानकारी ईशा गौतम द्वारा पत्र परिषद में दी। इसी दौरान मानव अधिकार संगठन ने गत प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपस्थित रहने पर अपनी गलती स्वीकार की।

गौरतलब है कि 24 अगस्त को रेलटोली और पुणाटोली निवासी ज्योति राजेश गर्ग द्वारा पत्र परिषद लेकर सावराटोली व फूलपुर निवासी ईशा मनीष गौतम पर 30 प्रतिशत प्रतिदिन के हिसाब से कर्ज की राशि वसूलने, 50 हजार के बदले 12 लाख रुपए की मांग करते हुए मारपीट करने व अपने घर पर बंधक बनाकर रखने का आरोप लगाया था। साथ ही रामनगर पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज न करने की बात कही थी। इस मामले में 30 अगस्त को ईशा गौतम द्वारा पत्र परिषद में खुलासा करते हुए बताया गया कि ज्योति गर्ग द्वारा 50 हजार के बदले 12 लाख रुपए की मांग किए जाने का आरोप बेबुनियाद है। जबकि उनके द्वारा ज्योति गर्ग को 4 किस्तों में 12 लाख रुपए बच्चों की पढ़ाई, पति की बीमारी, रेलवे के टेंडर और लोन भरने के लिये पैसे दिए गये थे। अधार दिये गए पैसों के एवज में ज्योति गर्ग व उसकी सहयोगी गौरी मुकेश लिल्हारे द्वारा उनें चेक भी दिए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि ईशा से ज्योति गर्ग का परिचय गौरी मुकेश लिल्हारे ने करवाया था। पश्चात ज्योति गर्ग, गौरी लिल्हारे, आस्था गर्ग ने मुझे ठगकर पैसे लिए। जब अपने पैसे की मांग की तो मुझ पर मारपीट करने व धमकाने का बेबुनियाद आरोप लगाया गया। जबकि ज्योति गर्ग व उसकी बेटी आस्था का सहयोगी बैस मुझे बार-बार धमकी देता हैं। इस मामले में ज्योति गर्ग ही महाठग है, जिसने अन्य महिलाओं को भी लाखों का चुना लगाया है।

मानवाधिकार संगठन की भूमिका पर प्रश्न चिन्ह

राज्य मानवाधिकार संगठन की जिला अध्यक्ष रोहिणी ठाकरे व शहर अध्यक्ष सुनीता मिश्रा ने सर्वप्रथम ज्योति गर्ग के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर ज्योति गर्ग को पीड़िता बताते हुए रामनगर पुलिस द्वारा कार्रवाई न करने व ईसा गौतम द्वारा मारपीट कर धमकी दिए जाने का मामला उठाया था। लेकिन 5 दिनों में ही मानव अधिकार संघटना की भूमिका बदली व 30 अगस्त को आयोजित पत्र परिषद में ईशा गौतम के साथ उपस्थित होकर ज्योति गर्ग द्वारा उन्हें झूठी जानकारी देने व दिशा

भ्रमित करने की बात कहते हुए अपनी गलती स्वीकारी व गौतम द्वारा दिखाए गए दस्तावेजों के आधार पर ज्योति गर्ग को दोषी बताने लगे।

धोखाधड़ी के अनेक लोग शिकार

पत्र परिषद में ईशा गौतम द्वारा 12 लाख रुपए से धोखाधड़ी किए जाने का आरोप लगाया। साथ ही उपस्थित अनेक पीड़ित महिलाओं ने ज्योति गर्ग द्वारा ठगी जाने के बारे में बतलाया। जिसमें अशोक खरोदे 1 लाख 50 हजार, विजेता विजय इहारे 2 लाख 50 हजार, कविता पांडे 72 हजार, दुर्गाबाई तिवारी जिसकी रजिस्ट्री गलत तरीके से 1 लाख 20 हजार में गिरवी रखी गयी, बचत गट से 25 हजार, कविता पांडे मकान की रजिस्ट्री व 10 हजार, जया डेमिटी 50 हजार, उमेश चावके जिन्हें नोटरी भी करके दिया है से 5 लाख, जी नेवाणी 50 हजार, गुरदीप कौर उर्फ बिल्लू के 2 चेक, फुलवंत परिहार सोने के जेवरात व 30 हजार व नागरा की 40 बचत गट की महिलाएं भी ठगी का शिकार हुई है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक बुजुर्ग महिला ने बताया कि ज्योति गर्ग उसकी बेटी की सहेली थी, इसलिए उस पर विश्वास कर रजिस्ट्री दी थी। लेकिन उन्हे रजिस्ट्री वापस नहीं की गयी। बाद में पता चला कि उनकी ओरिजिनल रजिस्ट्री गिरवी रखकर डेढ़ लाख रुपए का कर्ज लिया गया।

रेलवे के अधिकारी बताकर धोखाधड़ी

ज्योति गर्ग ने चेतन जैन व सिंधिया एंथोनी नामक महिला को रेलवे के अधिकारी बताकर भी कुछ लोगों से ठगी की है। गोंदिया शहर में बनने वाले उड़ानपुल का टेंडर इनको मिला है, ये ही कामगारों को वेतन देंगे ऐसा बतलाते हुए लोगों को काम पर लगाने का झांसा देकर धोखाधड़ी की गयी।

ज्योति गर्ग ने पैसा लेने चेक व स्टैंप दिए हैं, जो पत्र परिषद में पीड़िता द्वारा पेश किए गए। जिससे साबित होता है कि ज्योति द्वारा इन लोगों को ठग कर पैसा लिया गया है। दिये पैसे वापस मांगने पर गर्ग ने टालमटोल किया।

जब पीड़िता द्वारा चेक बाउंस की कार्रवाई की जाने वाली थी तो उसके पूर्व ही ज्योति ने चालाकी बरतते हुए उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवा दी। शिकायत में गुंडागर्दी व 50 हजार के बदले 12 लाख रुपए मांगने के आरोप लगाए, जो बेबुनियाद है।

मनीष गौतम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते हुए बताया है कि ज्योति गर्ग के खिलाफ मानहानि व धोखाधड़ी का केस दायर करने के साथ ही चेक बाउंस का केस भी कानूनी रुप से लड़ेंगे। ताकि ज्योति गर्ग द्वारा लगाए गए आरोपों को बेबुनियाद साबित किया सजा सके। पत्र परिषद में ईशा मनीष गौतम, मनीष गौतम, मानव अधिकार संघटना की रोहिनी ठाकरे, सुनीति मिश्रा, सोनाली उमेश चावके, दुर्गा तिवारी, फुलवता परिहार, गुरदीप कौर व दीप्ति मिश्रा उपस्थित थे।

संपादकीय

अवैध की जमीन

अगर कहीं अनधिकृत निर्माण होता है तो इसके लिए पुलिस और नगर निगम के अधिकारियों की मिलीभगत जिम्मेदार है।

जब भी किसी अवैध या अनधिकृत निर्माण को प्रशासन की ओर से ढहाया जाता है तो सरकार इसके पक्ष में तर्क देती है और आम लोग भी इसे कानूनसम्मत कार्रवाई मानते हैं। सही है कि अतिक्रमण के तौर पर बने ढांचों को तोड़ने की कार्रवाई को कानून के तहत ही अंजाम दिया जाता है, मगर आमतौर पर यह सवाल बहस से बाहर रह जाता है कि आखिर कोई व्यक्ति नियम-कायदों को ताक पर रख कर कोई इमारत कैसे खड़ी कर लेता है या फिर गलत तरीके से किसी जमीन पर कोई निर्माण कैसे कर लेता है।

जबकि अमूमन किसी भी इलाके में एक छोटे भूखंड पर भी होने वाला निर्माण सबकी नजर में होता है। खासतौर पर किसी निर्माण के शुरु होने के बाद उस पर स्थानीय पुलिस या प्रशासन की नजर रहती है। इसके बावजूद यह शिकायत आम है कि किसी व्यक्ति या परिवार को ही अवैध निर्माण के लिए कानून के कठघरे में खड़ा होना पड़ता है और इसकी जिम्मेदारी के स्रोत साफ बचे रह जाते हैं।

इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने अहम दखल देते हुए साफ शब्दों में यह कहा है कि अगर कहीं अनधिकृत निर्माण होता है तो इसके लिए पुलिस और नगर निगम के अधिकारियों की मिलीभगत जिम्मेदार है। यह छिपा नहीं है कि किसी भी इलाके में अगर कोई निर्माण शुरु होता है तो संबंधित महकमे का कर्मचारी या पुलिसकर्मी वहां पहुंच कर एक नजर जरुर डालता है।

ऐसे में अगर कुछ वक्त बाद उसी निर्माण को अनधिकृत या अवैध बता कर कोई कानूनी कार्रवाई की जाती है तो उसकी जिम्मेदारी किस-किस पर आनी चाहिए। इसी पहलू को आमतौर पर नजरअंदाज कर दिया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ लहजे में यह कहा कि अनधिकृत निर्माण अधिकारियों और उल्लंघनकर्ता के बीच तालमेल से होते हैं, जिससे निर्माण करने वाले के लिए लागत में इजाफा होता है। अदालत के मुताबिक ऐसे निर्माण बड़े पैमाने पर हो रहे हैं और सच यह है कि स्थानीय पुलिस अधिकारियों और निगम प्राधिकारों की मिलीभगत के बिना ईंट तक नहीं रखी जा सकती है।

अदालत की यह टिप्पणी अवैध निर्माणों के इस पक्ष की ओर ध्यान खींचती है कि नियम-कायदों को तोड़ने में उल्लंघनकर्ताओं के साथ-साथ वे पुलिस अधिकारी और प्रशासन के लोग भी शामिल होते हैं, जिनकी ड्यूटी होती है कानून पर अमल सुनिश्चित कराने की। यह कैसे संभव हो जाता है कि बाजारों से लेकर गली-मुहल्लों में खुली दुकानों के सामने की सड़क पर सामान फैला कर या फिर फुटपाथों तक का अतिक्रमण कर लिया जाता है और नगर निगम या पुलिस-प्रशासन की नजर नहीं पड़ती।

आम लोग किसी तरह बच-बच कर वहां से गुजरते रहते हैं। फिर किसी दिन अतिक्रमण या अनधिकृत निर्माण को हटाने के नाम पर अचानक बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरु कर दी जाती है। ऐसे में स्वाभाविक ही मसले के तकनीकी पहलुओं और सालों से किसी अतिक्रमण या अनधिकृत निर्माण के बने रहने के सवाल उठते हैं। इसके अलावा, मानवीयता से जुड़े कुछ बिंदुओं पर बहस होती है। जाहिर है, अगर सरकार के संबंधित महकमे अपनी ड्यूटी को लेकर सजग हों तो संभव है कि इस तरह की गतिविधियां जमीन पर उतरें ही नहीं।

जब लोगों के पास नियम-कायदों के दायरे में कोई विकल्प उपलब्ध होगा और उसकी प्रक्रिया आसान होगी तो शायद उन्हें खुद ही उसका पालन करना अच्छा लगेगा। सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस और नगर निगमों की मिलीभगत की वजह से चलने वाली ऐसी गतिविधियों पर जरुरी सवाल उठाया है। अब यह सरकार पर निर्भर है कि वह इस मामले में क्या रुख अख्तियार करती है।

१ सितम्बर : स्थापना दिवस

एनसीईआरटी

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद

एनसीईआरटी (NCERT) एक स्वायत्त संगठन है जिसकी स्थापना 1961 में भारत सरकार ने स्कूली शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए नीतियों और कार्यक्रमों पर केंद्र और राज्य सरकारों को सहायता और सलाह देने के लिए की थी।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) 1961 में भारत सरकार द्वारा स्कूली शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए नीतियों और कार्यक्रमों पर केंद्र और राज्य सरकारों की सहायता और सलाह देने के लिए एक स्वायत्त संगठन है। एनसीईआरटी और इसकी घटक इकाइयों के प्रमुख उद्देश्य हैं- स्कूली शिक्षा से संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान करना, उसे बढ़ावा देना और समन्वय करनाय मॉडल पाठ्यपुस्तकों, पूरक सामग्री, समाचार पत्र, पत्रिकाओं को तैयार और प्रकाशित करना और शैक्षिक किट, मल्टीमीडिया डिजिटल सामग्री आदि विकसित करना, शिक्षकों के पूर्व-सेवा और इन-सर्विस प्रशिक्षण का आयोजन करनाय राज्य शैक्षिक विभागों, विश्वविद्यालयों, गैर सरकारी संगठनों और अन्य शैक्षिक संस्थानों के साथ नवीन शैक्षिक तकनीकों और प्रथाओं का विकास और प्रसार करना, स्कूली शिक्षा से संबंधित मामलों में विचारों और जानकारी के लिए समाशोधन गृह के रुप में कार्य करना, और प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक नोडल एजेंसी के रुप में कार्य करें। अनुसंधान, विकास, प्रशिक्षण, विस्तार, प्रकाशन और प्रसार गतिविधियों के अलावा, एनसीईआरटी स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के लिए एक कार्यान्वयन एजेंसी है। एनसीईआरटी अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर विदेशी प्रतिनिधिमंडलों का दौरा करने और विकासशील देशों के शैक्षिक कर्मियों को विभिन्न प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करता है। एनसीईआरटी की प्रमुख घटक इकाइयाँ देश के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित हैं-

- राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (NIE), नई दिल्ली
- केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (CIET), नई दिल्ली
- पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (PSSCIVE), भोपाल
- क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (RIE), अजमेर
- क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (RIE), भोपाल
- क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (RIE), भुवनेश्वर
- क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (RIE), मैसूर
- उत्तर-पूर्व क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (NERIE), शिलांग

अपनी स्थापना के 6 दशकों के दौरान परिषद की महत्वपूर्ण गतिविधियों में अनुसंधान, पाठ्यक्रम का विकास, पाठ्य और प्रशिक्षण सामग्री (आमने-सामने और ऑनलाइन दोनों) और पूरक पाठक शामिल हैं, जिसका उद्देश्य अध्यापक शिक्षकों, अध्यापकों और छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करना है।

शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक संगठन ने जमीनी स्तर सहित सभी स्तरों पर आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के सभी विचार-विमर्श और परामर्श में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

एनसीईआरटी वर्तमान में स्कूली शिक्षा, प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा, वयस्क शिक्षा और शिक्षक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेखा के विकास की दिशा में काम कर रहा है। यह राज्यों को अपने स्वयं के राज्य पाठ्यचर्या ढांचे को विकसित करने में मदद कर रहा है।

एनसीईआरटी द्वारा शुरु कुछ प्रमुख पहल

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) ने हाल ही में अपनी पाठ्य पुस्तकों में क्यूआर कोड (क्विक रेस्पोंस कोड) शामिल करने की प्रक्रिया शुरु कर दी है। इससे छात्र क्यूआर कोड को फोन इत्यादि से स्कैन करके अध्याय को फिल्म अथवा सरल भाषा में समझ सकते हैं।

वहीं, दूसरी और एनसीईआरटी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मुताबिक अपने 14 वर्ष पुराने राष्ट्रीय पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क को संशोधित करने की भी योजना बना रहा है। इसके लिए एक समिति की स्थापना की जयेगी।

अब तक राष्ट्रीय पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क को चार बार 1975, 1988, 2000 तथा 2005 में संशोधित किया जा चुका है। यह प्रस्तावित संशोधन फ्रेमवर्क में पांचवां संशोधन होगा। इसके लिए देश भर में प्राथमिक शिक्षा पर सर्वेक्षण किया जायेगा। प्रारंभिक सर्वेक्षण के लिए शिलोंग, भोपाल, राजस्थान तथा मैसूर को चुना गया है।

सितम्बर माह के तीज-त्यौहार

अगस्त के अंतिम दिन यानी 31 अगस्त से गणेश चतुर्थी का प्रारंभ होगा और सितंबर के पहले दिन से लेकर आखिरी दिन तक त्योहारों का क्रम जारी रहेगा. गणेश उत्सव के साथ ही पितृक्ष और नवरात्रि तक इसी माह में होगी। सितंबर माह में पहला व्रत कृषि पंचमी होगा। तो चलिए जानें सितंबर 2022 में पड़े वाले प्रमुख त्योहारों की तिथियां -

हिंदू कैलेंडर के अनुसार सितंबर 2022 में भादौ और आश्विन मास रहेंगे। 10 सितंबर से आश्विन मास प्रारंभ होगा। सितंबर के शुरुआती दिनों में 10 दिवसीय गणोशोत्सव होगा और इसके बाद 16 दिनों तक श्राद्ध के दिन होंगे। इसके खत्म होते ही शारदीय नवरात्रि आरंभ हो जाएगी।

इस बीच में कृषि पंचमी, मोरयाई छठ, राधाष्टमी, अनंत चतुर्दशी, इंदिरा एकादशी और पितृ मोक्ष अमावस्या जैसे कई बड़े पर्व भी मनाए जाएंगे। इनके अलावा सितंबर 2022 में और भी कई महत्वपूर्ण व्रत त्योहार आएंगे, जिनकी जानकारी इस प्रकार है। सितंबर माह व्रत त्योहार

1 सितंबर, गुरुवार - कृषि पंचमी
2 सितंबर, शुक्रवार - मोरयाई छठ, संतान सातें
3 सितंबर, शनिवार - राधा अष्टमी, महालक्ष्मी व्रत आरंभ
5 सितंबर, सोमवार - तेजादशमी
6 सितंबर, मंगलवार - जलझूलनी एकादशी
8 सितंबर, गुरुवार - ओणम, प्रदोष व्रत
9 सितंबर, शुक्रवार - अनंत चतुर्दशी, व्रत पूर्णिमा
10 सितंबर, शनिवार - श्राद्ध पक्ष आरंभ
13 सितंबर, मंगलवार - अंगारक चतुर्थी
17 सितंबर, शनिवार - महालक्ष्मी व्रत
18 सितंबर, रविवार - जिउतिया व्रत
19 सितंबर, सोमवार - मातृ नवमी, अविधवा श्राद्ध
21 सितंबर, बुधवार - इंदिरा एकादशी
23 सितंबर, शुक्रवार - प्रदोष व्रत
24 सितंबर, शनिवार - चतुर्दशी श्राद्ध, शिव चतुर्दशी व्रत
25 सितंबर, रविवार - पितृमोक्ष अमावस्या
26 सितंबर, सोमवार - शारदीय नवरात्रि आरंभ
29 सितंबर, गुरुवार - विनायकी चतुर्थी व्रत
30 सितंबर, शुक्रवार - उपांग ललिता व्रत

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय दिवस

1 सितंबर - राष्ट्रीय पोषण दिवस, गुटनिरपेक्ष दिवस
2 सितंबर - विश्व नारियल दिवस
5 सितंबर - शिक्षक दिवस
8 सितंबर - विश्व साक्षरता दिवस
9 सितंबर - हिमालय दिवस
14 सितंबर - हिंदी दिवस
15 सितंबर - अभियंता दिवस
16 सितंबर - विश्व ओजोन दिवस, संचायिका दिवस
17 सितंबर - विश्वकर्मा जयंती
20 सितंबर - रेलवे पुलिस बल स्थापना दिवस
21 सितंबर - विश्व अल्जाइमर व अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस
23 सितंबर - हैजा दिवस
24 सितंबर - विश्व बधिर दिवस
25 सितंबर - अंत्योदय दिवस
26 सितंबर - विश्व मूक बधिर दिवस
27 सितंबर - विश्व पर्यटन दिवस
28 सितंबर - विश्व रेबीज दिवस
29 सितंबर - विश्व हृदय दिवस
30 सितंबर - अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस

गणेशोत्सव

गणेशोत्सव (गणेश + उत्सव) हिन्दुओं का एक उत्सव है। वैसे तो यह कमोबेश पूरे भारत में मनाया जाता है, किन्तु महाराष्ट्र का गणेशोत्सव विशेष रुप से प्रसिद्ध है। महाराष्ट्र में भी पुणे का गणेशोत्सव जगत्प्रसिद्ध है। यह उत्सव, हिन्दू पंचांग के अनुसार भाद्रपद मास की चतुर्थी से चतुर्दशी (चार तारीख से चौदह तारीख तक) तक दस दिनों तक चलता है। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को गणेश चतुर्थी भी कहते हैं। यह पर्व गणेश जी के जन्म उपलक्ष में मनाया जाता है। क्योकि ऐसी मान्यता है कि भगवान श्री गणेश जी का जन्म भद्रपद माह के कृष्णा पक्ष की चतुर्थी तिथि को हुआ था।

गणेश की प्रतिष्ठा सम्पूर्ण भारत में समान रुप में व्याप्त है। महाराष्ट्र इसे मंगलकारी देवता के रुप में व मंगलपूर्ति के नाम से पूजता है। दक्षिण भारत में इनकी विशेष लोकप्रियता कला शिरोमणि के रुप में है। मैसूर तथा तंजौर के मंदिरों में गणेश की नृत्य-मुद्रा में अनेक मनमोहक प्रतिमाएं हैं।

गणेश हिन्दुओं के आदि आराध्य देव है। हिन्दू धर्म में गणेश को एक विशिष्टि स्थान प्राप्त है। कोई भी धार्मिक उत्सव हो, यज्ञ, पूजन इत्यादि सत्कर्म हो या फिर विवाहोत्सव हो, निर्विध्न कार्य सम्पन्न हो इसलिए शुभ के रुप में गणेश की पूजा सबसे पहले की जाती है। महाराष्ट्र में सात वाहन, राष्ट्रकूट, चालुक्य आदि राजाओं ने गणेशोत्सव की प्रथमा चलायी थी। छत्रपति शिवाजी महाराज भी गणेश की उपासना करते थे।

इतिहास

पेशवाओं ने गणेशोत्सव को बढ़ावा दिया। कहते हैं कि पुणे में कस्बा गणपति नाम से प्रसिद्ध गणपति की स्थपना शिवाजी महाराज की मां जीजाबाई ने की थी। परंतु लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने गणोत्सव को जो स्वरुप दिया उससे गणेश राष्ट्रीय एकता के प्रतीक बन गये। तिलक के प्रयास से पहले गणेश पूजा परिवार तक ही सीमित थी। पूजा को सार्वजनिक महोत्सव का रुप देते समय उसे केवल धार्मिक कर्मकांड तक ही सीमित नहीं रखा, बल्कि आजादी की लड़ाई, छुआछूत दूर करने और समाज को संगठित करने तथा आम आदमी का ज्ञानवर्धन करने का उसे जरिया बनाया और उसे एक आंदोलन का स्वरुप दिया। इस आंदोलन ने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने 1893 में गणेशोत्सव का जो सार्वजनिक पौधरोपण किया था वह अब विराट वट वृक्ष का रुप ले चुका है। 1893 में जब बाल गंगाधर जी ने सार्वजानिक गणेश पूजन का आयोजन किया तो उनका मकसद सभी जातियो धर्मो को एक साझा मंच देने का था, जहा सब बैठ कर मिल कर कोई विचार कर सके। तब पहली बार पेशवाओ के पूज्य देव गणेश को बाहर लाया गया था, वो तब भारत में अस्पृश्यता चरम सीमा पर थी, जब शुद्र जाती के लोगो को देव पूजन का ये अपने आप में पहला मौका था। सब ने देव दर्शन किये और गणेश प्रतिमा को चरण छु कर आशीर्वाद लिया। उत्सव के बाद जब प्रतिमा को वापस मंदिर में स्थापित किया जाने लगा (जैसा की पेशवा करते थे, मंदिर की मूर्ति को आँगन में रख के सार्वजानिक पूजा और फिर वापस वही स्थापना) तब यब तय किया गया कि पूजा गृह की मूर्ति बाहर न निकाली जाए। अगले वर्ष से पार्थिव गणेश बनाये जाए फिर उनका चल समारोह पूर्वक विसर्जन किया जाए। तब से मूर्ति विसर्जन शुरु हो गया या अब काफी फैल गया है। इस में केवल महाराष्ट्र में ही 50 हजार से ज्यादा सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और गुजरात में काफी संख्या में गणेशोत्सव मंडल है।

स्वतंत्रता संग्राम और गणेशोत्सव

विनायक दामोदर सावरकर और कवि गोविंद ने नासिक में मित्रमेला संस्था बनाई थी। इस संस्था का काम था देशभक्तिपूर्ण पोवाडे (मराठी लोकगीतों का एक प्रकार) आकर्षक ढंग से बोलकर सुनाना। इस संस्था के पोवाडों ने पश्चिमी महाराष्ट्र में धूम मचा दी थी। कवि गोविंद को सुनने के लिए लोगों उमड़ पड़ते थे। राम-रावण कथा के आधार पर वे लोगों में देशभक्ति का भाव जगाने में सफल होते थे। उनके बारे में वीर सावरकर ने लिखा है कि कवि गोविंद अपनी कविता की अमर छाप जनमानस पर छोड़ जाते थे। गणेशोत्सव का उपयोग आजादी की लड़ाई के लिए किए जाने की बात पूरे महाराष्ट्र में फैल गयी। बाद में नागपुर, वर्धा, अमरावती आदि शहरों में भी गणेशोत्सव ने आजादी का नया ही आंदोलन छेड़ दिया था। अंग्रेज भी इससे घबरा गये थे। इस बारे में रोलेट समिति रपट में भी चिंता जतायी गयी थी। रपट में कहा गया था गणेशोत्सव के दौरान युवकों की टोलियां सड़कों पर घूम-घूम कर अंग्रेजी शासन विरोधी गीत गाती हैं व स्कूली बच्चे पर्चे बांटते हैं। जिसमें अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ हथियार उठाने और मराठों से शिवाजी की तरह विद्रोह करने का आहवान होता है। साथ ही अंग्रेजी सत्ता को उखाड़ फेंकने के लिए धार्मिक संघर्ष को जरुरी बताया जाता है। गणेशोत्सवों में भाषण देने वाले में प्रमुख राष्ट्रीय नेता थे - वीर सावरकर, लोकमान्य तिलक, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, बैरिस्टर जयकर, रेंगलर परांजपे, पंडित मदन मोहन मालवीय, मौलिकचंद्र शर्मा, बैरिस्टे चक्रवर्ती, दादासाहेब खापर्डे और सरोजनी नायडू।

साभार : विकिपीडिया

५ सितम्बर : शिक्षक दिवस

विश्व के कुछ देशों में शिक्षकों (गुरुओं) को विशेष सम्मान देने के लिये शिक्षक दिवस का आयोजन किया जाता है। कुछ देशों में छुट्टी रहती है जबकि कुछ देश इस दिन कार्य करते हुए मनाते हैं।

भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन (5 सितंबर) भारत में शिक्षक दिवस के रुप में मनाया जाता है। उन्होंने अपने छात्रों से जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रुप में मनाने की इच्छा जताई थी। दुनिया के 100 से ज्यादा देशों में अलग-अलग तारीख पर शिक्षक दिवस मनाया जाता है। देश के पहले उप-राष्ट्रपति डॉ राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 को तमिलनाडु के तिरुमनी गांव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वे बचपन से ही किताबें पढ़ने के शौकीन थे और स्वामी विवेकानंद से काफी प्रभावित थे। राधाकृष्णन का निधन चेन्नई में 17 अप्रैल 1975 को हुआ।

देशों में अलग शिक्षक दिवस

अलग-अलग देशों में शिक्षक दिवस अलग-अलग तारीखों पर मनाये जाते हैं। भारत में यह भूतपूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिन 5 सितंबर को मनाया जाता है।

चीन में 1931 में शिक्षक दिवस की शुरुआत की गई थी और बाद में 1939 में कन्ययूशियस के जन्म दिन, 27 अगस्त को शिक्षक दिवस घोषित किया गया लेकिन 1951 में इसे रद्द कर दिया गया। फिर 1985 में 10 सितम्बर को शिक्षक दिवस घोषित किया गया लेकिन वर्तमान समय में ज्यादातर चीनी नागरिक चाहते हैं कि कन्फ्यूशियस का जन्म दिन ही शिक्षक दिवस हो।

इसी तरह रुस में 1965 से 1994 तक अक्टूबर महीने के पहले रविवार के दिन शिक्षक दिवस मनाया जाता था। जब साल 1994 से विश्व शिक्षक दिवस 5 अक्टूबर को मनाया जाना शुरु हुआ तब इसके साथ समन्वय बिठाने के लिये इसे इसी दिन मनाया जाने लगा।

साउ पोलो में मना पहला शिक्षक दिवस

15 अक्टूबर, 1827 के दिन प्रेडो-। ने ब्राजील में प्राथमिक स्कूलों की स्थापना संबंधी आदेश दिया था। इसी दिन की याद में साउ पोलो के एक छोटे से स्कूल के कुछ शिक्षकों ने 15 अक्टूबर, 1947 को पहली बार शिक्षक दिवस का आयोजन किया था। धीरे-धीरे पूरे देश में शिक्षक दिवस मनाया जाने लगा और 1963 में आधिकारिक रुप में इस दिन को शिक्षक दिवस का दर्ज़ा दे दिया गया.

जीवन में शिक्षक का किरदार बहुत खास होता है, वे किसी के जीवन में उस बैकग्राउंड म्यूज़कि कि तरह होते हैं, जिसकी उपस्थिति मंच पर तो नहीं दिखती, परंतु उसके होने से नाटक में जान आ जाती है। ठीक इसी प्रकार हमारे जीवन मे एक शिक्षक की भी भूमिका होती है। चाहें आप जीवन के किसी भी पड़ाव पर हों, शिक्षक की आवश्यकता सबको पड़ती है। भारत में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रुप में मनाया जाता है, जो कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिन है। वे भारत के पहले उपराष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति थे जो इन पदों पर आसीन होने से पहले एक शिक्षक थे।

ज्ञान, जानकारी और समृद्धि के वास्तविक धारक शिक्षक ही होते है जिसका इस्तेमाल कर वह हमारे जीवन के लिये हमें विकसित और तैयार करते हैं। हमारी सफलता के पीछे हमारे शिक्षक का हाथ होता है। हमारे माता-पिता की तरह ही हमारे शिक्षक के पास भी ढ़ेर सारी व्यक्तिगत समस्याएँ होती हैं लेकिन फिर भी वह इन सब को दरकिनार कर रोज स्कूल और कॉलेज आते हैं तथा अपनी जिम्मेदारी का अच्छे से निर्वाह करते हैं। कोई भी उनके बेसकीमती कार्य के लिये उन्हें धन्यवाद नहीं देता इसलिये एक विद्यार्थी के रुप में शिक्षकों के प्रति हमारी भी जिम्मेदारी बनती है कि कम से कम साल में एक बार उन्हें जरुर धन्यवाद दें।

हर वर्ष 5 सितंबर को हमारे नि:स्वार्थ शिक्षकों को उनके बहुमूल्य कार्य को सम्मान देने के लिये शिक्षक दिवस मनाया जाता है। 5 सितंबर हमारे पूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधकृष्णन का जन्मदिन है जिन्होंने पूरे भारत में शिक्षकों को सम्मान देने के लिये शिक्षक दिवस के रुप में उनके जन्मदिन को मनाने का आग्रह किया था। उन्हें अध्यापन पेशे से बहुत प्यार था।

हमारे शिक्षक हमें शैक्षणिक दृष्टी से तो बेहतर बनाते ही हैं साथ ही हमारे ज्ञान, विश्वास स्तर को बढ़ाकर नैतिक रुप से भी हमें अच्छा बनाते है। जीवन में अच्छा करने के लिये वह हमें हर असंभव कार्य को संभव करने की प्रेरणा देते हैं। विद्यार्थियों के द्वारा इस दिन को बहुत उत्साह और खुशी के साथ मनाया जाता है। विद्यार्थी अपने शिक्षकों को ग्रीटिंग कार्ड देकर बधाई देते हैं।

ये सर्वविदित है कि हमारे जीवन को सँवारने में शिक्षक एक बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। सफलता प्राप्ति के लिये वो हमें कई प्रकार से मदद करते है जैसे हमारे ज्ञान, कौशल के स्तर, विश्वास आदि को बढ़ाते है तथा हमारे जीवन को सही आकार में ढ़ालते है। अतरु अपने निष्ठावान शिक्षक के लिये हमारी भी कुछ जिम्मेदारी बनती है।

हम सभी को एक आज्ञाकारी विद्यार्थी के रुप में अपने शिक्षक का दिल से अभिनंदन करने की जरुरत है और जीवनभर अध्यापन के अपने निस्स्वार्थ सेवा के लिये साथ ही अपने अनगिनत विद्यार्थीयों के जीवन को सही आकार देने के लिये उन्हें धन्यवाद देना चाहिये। शिक्षक दिवस (जो हर साल 5 सितंबर को मनाया जाता है) हम सभी के लिये उन्हें धन्यवाद देने और अपना एक दिन उनके साथ बिताने के लिये ये एक महान अवसर है।

कृष्ण अवतारी रामदेव बाबा जन्मोत्सव ध्वज यात्रा

बुलंद गोंदिया - कृष्ण अवतारी रामदेव बाबा के जन्मोत्सव भादो पर्व के अवसर पर गोंदिया के प्राचीन रामदेव बाबा मंदिर से भव्य ध्वज यात्रा निकली गई। ध्वज यात्रा पूरे शहर का भ्रमण करते हुए गणेश नगर स्थित रानी सती धाम रामदेव मंदिर पहुंची।

बाबा की ध्वजा यात्रा के दौरान संपूर्ण शहर रामदेव बाबा के जयकारों से गूंज उठा। कृष्ण अवतारी रामदेव बाबा का जन्मोत्सव भादो की दूज से दसमी तक बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। रामदेव बाबा के जन्मोत्सव के पर्व पर रामदेव बाबा भक्त संगम परिवार द्वारा इस वर्ष गोंदिया के प्राचीन रामदेव बाबा मंदिर सब्जी मंडी से भव्य ध्वज यात्रा का आयोजन किया गया था। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु बाबा के भक्त ध्वज लेकर ढोल-नगाड़ों के साथ बाबा का जयकारा लगाते हुए शहर का भ्रमण किया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

उपरोक्त यात्रा सब्जी मंडी से दोपहर 4 बजे प्रारंभ हुई। जिसमें सब्जी मंडी, चना लाईन, चांदनी चौक, ब्रम्हबाड़ी मंदिर के सामने से होते हुए दुर्गा चौक, गोरेलाल चौक, गांधी प्रतिमा ,मोदी पेट्रोल पंप, गुरुनानक वार्ड, अजय मेडिकल, बर्फ फैक्ट्री गणेश नगर होते हुए रानी सती धाम बाबा रामदेव के मंदिर में पहुंची।

ध्वज यात्रा के पश्चात रानी सती धाम में भव्य संगीत संध्या आयोजित की गई। जिसमें मुख्य रुप से नागपुर से पधारी बाबा के भजनों की गायिका सुश्री स्मिता गणुवाल व गोंदिया के बाबा भक्त गायक विपुल वेगड़, अंकित तिवारी, सुरेश जोशी, शुभम जोशी, राकेश चौहान ने भी बाबा के भजनों का सुमधुर कार्यक्रम पेश किया, जिसमें भक्त झूम उठे। कार्यक्रम के पश्चात सभी पधारे हुए भक्तों क्र लिए महाप्रसाद का आयोजन किया गया था।

महिला उत्पीड़न के खिलाफ विश्व महिला समानता दिवस पर ३० सामाजिक संगठन आये एक मंच पर

बुलंद गोंदिया - अन्तर्राष्ट्रीय महिला समानता दिवस अवसर पर महिलाओं पर लगातार हो रहे अत्याचार के विरोध में सर्वसमाज महिला सुरक्षा जनजागृति अभियान स्थानिक प्रशासनिक भवन के सामने डॉ.आंबेडकर प्रतिमा चौक परिसर सर्वसमाज विचार महोत्सव समिति की अध्यक्षा प्रो. डॉ.दिशा गेडाम के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर महिलाओं के लगातार हो रहे उत्पीड़न के खिलाफ सर्वसमाज विचार महोत्सव समिति, निर्भया गोंदिया ग्रुप इस मंच के तत्वान में 30 सामाजिक संगठन और कॉलेज स्कूली छात्र, एकत्रित हुए और महिला सुरक्षा जागरुकता अभियान में भाग लेकर समाज में इस तरह की घटनाओं को रोक लगे इस हेतु अपने विचार व्यक्त किए। सर्वसमाज महिला सुरक्षा जनजागृति अभियान कार्यक्रम की शुरुआत संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर

माल्यार्पण कर तथा सर्वसमाज के नागरिकों को समानता, न्याय और बंधुत्व की शिक्षा देने वाले भारतीय संविधान की प्रस्तावना को पढ़कर की गई। तत्पश्चात गोरेगांव तहसील की अत्याचार पीड़िता की वैद्यकीय स्थिति के अनुसार आरोपी दरिंदो द्वारा पीड़ित महिला के आंतरिक शरीर को लगी चोट से मानवता को किस तरह शर्मसार करनेवाले मामले की गंभीरता डॉ. स्वेतल एवं संजय माहुले ने उपस्थित जनसमुदाय के समक्ष प्रस्तुत किया। डॉक्टर दंपत्ति के माध्यम से ही गोंदिया मेडिकल कॉलेज के छात्रों ने विभिन्न प्रकार के महिला अत्याचार के चित्रण और गर्भ में होने के बाद से समाज में रहने के दौरान हो रहे दुर्व्यवहार दूर करने की योजना पर एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर एनएमडी कॉलेज की छात्रा अलीशा चौहान एक पात्र नाटक के माध्यम से गोरेगाव पीड़िता की व्यथा बताई। गर्ल्स कॉलेज की छात्रा माधुरी भोयर ने बिलकिस बानो और

आकांक्षा तुरकर ने एक छोटी बच्ची पर अत्याचार की पीड़ा काव्य शब्दो में व्यक्त की। प्रा.डॉ.दिशा गेडाम इनके मार्गदर्शन में गर्ल्स कॉलेज छात्राओं द्वारा महिलाओं पर होने वाले अत्याचारों की रोकथाम, महिला सुरक्षा के प्रति जागरुकता, संवैधानिक अधिकार अधिनियम के विषय पर पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कमांडर किरण वासनिक के नेतृत्व में समता सैनिक दल द्वारा सलामी दी गई और मार्च निकाला गया।

पुलिस प्रशासन गोंदिया ऐसी घटनाओं को होने से रोकने के लिए महिला सुरक्षा, सरकारी व्यवस्था, योजनाओं तथा दक्षता सुरक्षा सहायता टोल फ्री नं. की महत्वपूर्ण जानकारी पुलिस विभाग भरोसा प्रकोष्ठ की एपीआई स्नेहा लांडे ने दी। इस अवसर पर वन स्टॉप क्राइसिस सेंटर की केंद्र प्रमुख समीना खान, बाल विकास परियोजना के विस्तार अधिकारी तीर्थराज उके मौजूद थे।

लोधी समाज सेवा समिति की ओर से संयोजक देवेंद्र मछिरके ने गोरेगांव ने पीड़िता का दर्द अपने सामाजिक शब्दों में प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कृष्णा गयगये, लोधी नारी शक्ति संगठन की संयोजक मनीषा बाबा अटरे, अवंतीबाई लोधी बहुउद्देशीय संस्था के संयोजक अशोक नागपुरे, हंसराज गयगये. रोहित नागपुरे, खेमलाल माहुले मौजूद थे।

गोंदिया मुस्लिम जमात संगठन के खालिद पठान और नगमा शेख इन्होंने बिलकिस बानो और सिलसिलेवार चल रहे महिला अत्याचारों के खिलाफ विचार व्यक्त किया और कहा कि न्यायिक प्रक्रिया निष्पक्ष होनी चाहिए। ज्येष्ठ नागरिक मित्र मंडल की ओर से वसंत गवली, ओबीसी सेवा संघ के सीपी बिसेन ने जब तक न्याय नहीं मिल जाता तब तक सामाजिक जागरुकता अभियान आंदोलन को जारी रखने की अपील की, जेसीआई के पुरुषोत्तम मोदी इन्होंने जब तक हमारी राजनीतिक शक्ति मजबूत नहीं है या हमारे पास दबाव तकनीक नहीं है तो अन्याय की घटनाएं आगे भी होता रहेगी, विचार व्यक्त करते हुए पूर्व प्रो. डॉ.माधुरी नासरे ने कहा कि इस तरह के जागरुकता कार्यक्रम जगह जगह आयोजित करना जरुरी है, महिला प्रतिनिधि के रुप में उपस्थित भावना कदम इन्होंने महिला सुरक्षा अभियान को सहकार्य करने का आश्वासन दिया। आदिवासी समाज के प्रतिनिधि शुभम अहाके इन्होंने महिला सुरक्षा से जुड़ी क्रांतिकारी कविता प्रस्तुत की, ओबीसी संघर्ष कृति समिति महिला अघाड़ी की माधुरी कैलाश भेलावे, युवा बहुजन मंच की रीना सुनील भोंगाडे, रवि भंडारकर, मराठा सेवा संघ के सुनील तरोने, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सार्व. सामाजिक जयंती उत्सव समिति अध्यक्ष सविता उके, मातंग समाज संघ से प्रो. धर्मवीर चौहान, सशक्त नारी संगठन, महिला मुक्ति मोर्चा की शिखा पिपलेवार, मीरावंत चौरिटेबल ट्रस्ट अस्पताल संचालक डॉ. राजेंद्र वैद्य, जनशक्ति सामाजिक संगठन, कलार समाज संगठन, सर्व समाज ओबीसी मंच, युवा कोसरे कलार समाज संस्था, अखिल भारतीय कलार कलाल कलवार महिला संगठन, राष्ट्रीय ओबीसी गोंदिया जिला युवा संघ, आधार महिला शक्ति संगठन, बुद्ध विहार महिला मंडल, संविधान मैत्री संघ आदि का सहकार्य मिला। रिपोर्टर आरती पारधी ने उपस्थितों का आभार प्रगट किया।

अभियान कार्यक्रम की सफलता के लिए सर्वसमाज विचार महोत्सव समिति की अध्यक्ष प्रो. डॉ. दिशा गेडाम, आरती पारधी, शीतल कुंभारे, निर्भया गोंदिया ग्रुप के राजीव ठकरेले, हर्षल पवार, वसंत गवली, सीपी बिसेन, कैलाश भेलावे, सुनील भोंगाडे, रवि भंडारकर, संविधान मैत्री संघ के कार्यकर्ता आदि ने सक्रिय प्रयास किए। सामाजिक क्षेत्र से अनिल गोंडाने, प्रो. रोमेंद्र बोरकर, रितु तुरकर, आदेश गणवीर, दयाराम तिवले, अमित पृथ्यानी, राजेश कनौजिया, हमीदभाई मेमन, फरहान कच्छी, ईशान शेख, प्रो. प्रहलाद हरडे, भाविका बघेले, पूजा तिवारी, वंदना काले, धर्मिष्ठा सेंगर, लता बाजपेयी, लक्ष्मी राउत, पंचशीला पानतवने, नीलकंठ चिचाम आदि एवं विभिन्न क्षेत्र से महिलाएं मौजूद रहीं।

अत्याचार और अत्याचार करनेवालों का कोई जाति, धर्म या संप्रदाय नहीं है। यह एक बहुत ही दुष्ट प्रव्रत्ति है जिसे सभी जाति धर्म संप्रदाय के परिवारों को कुचल देना चाहिए। एक सकारात्मक स्वर से व्यवस्था को मजबूर किया जाना चाहिए और इसके लिए लोगों में जागरुकता होना और एकजुट होना जरुरी है। अन्यायपूर्ण

अत्याचार यातना एक विकार है। मुख्य अपराधी बाहर है, पुलिस सभी अपराधियों को नहीं ढूंढ पाती है, इसका कारण क्या है? सभी राजनीतिक दल मुद्दे को क्यों नहीं उठाते? सामाजिक संगठन, गैर सरकारी संगठन, सड़कों पर आकर आंदोलन क्यों नही चलाते? ये सामान्य प्रश्न हैं। महिला पर मतिमंद होने का आरोप लगाया जा रहा है। मतिमंद हुए तो क्या उसे अत्याचार प्रताड़ित करने की अनुमति है? एलएक्यू अब तक नही हुआ? इसका जवाब आम आदमी को अभी तक नहीं मिला है। मतिमंद वो पीड़िता है की वो नराधम अत्याचारी या फिर मामलों को लेटलतीफ करनेवाली व्यवस्था है जो पीड़िता को पागल करार देकर न्याय प्रक्रिया धीमा कर रही है। कार्यक्रम का समापन इस निष्कर्ष के साथ हुआ कि ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए इस बात की खबरदारी शासन प्रशासन के साथ साथ आम जनता ने रखनी होगी।

बारिश का कहर

मौसम विभाग का कहना है कि करीब एक सौ बीस साल बाद इस बार वर्षा चक्र में अप्रत्याशित बदलाव आया है।

पिछले कुछ दिनों से देश के कई राज्यों में हो रही भारी बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। ज्यादातर जगहों पर बाढ़ आ गई है। राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात से लेकर आंध्रप्रदेश और महाराष्ट्र तक में स्थिति भयावह है। लाखों लोग बेघर हो गए हैं। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों में तो मूसलाधार बारिश और बादल फटने की घटनाओं ने मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। पहाड़ धंसने, चस्सने गिरने, पुल ढह जाने और मलबे से रास्ते अवरुद्ध होने से संकट गहरा गया है। हिमाचल प्रदेश में इस साल जून से लेकर अब तक करीब पांच सौ लोग वर्षा-जनित हादसों में मारे जा चुके हैं।

उत्तराखंड में भी हालात इससे अलग नहीं हैं। नदियां पूरे उफान पर हैं। ग्रामीण इलाकों में स्थिति ज्यादा विकट इसलिए है कि वहां ऐसी प्राकृतिक आपदाओं से पैदा होने वाले हालात से निपटने के पर्याप्त इंतजाम भी नहीं होते। ग्रामीण इलाकों में नुकसान कहीं ज्यादा बड़ा होता है। खेत डूब जाते हैं, फसले चौपट हो जाती हैं, बड़ी संख्या में मवेशी बह जाते हैं और बिजली गिरने जैसी घटनाओं में लोग भी मारे जाते हैं। ऐसा कमाबोश हर साल देखने को मिलता रहता है।

मौसम विभाग का कहना है कि करीब एक सौ बीस साल बाद इस बार वर्षा चक्र में अप्रत्याशित बदलाव आया है। कहीं तो बहुत ज्यादा पानी पड़ गया और कहीं बिल्कुल भी नहीं। इसका असर यह हुआ कि गंगा के चार बड़े मैदानी इलाकों उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में एक जून से बीस अगस्त तक सबसे कम बारिश हुई और इन राज्यों के बड़े हिस्से में सूखे के हालात बन गए हैं। लेकिन जहां बारिश हुई वहां रेकार्ड तोड़ पानी पड़ा।

आंध्रप्रदेश और मध्यप्रदेश के बड़े हिस्से में खूब बारिश हो रही है। ओड़ीशा के भी कई जिले बारिश और बाढ़ की मार झेल रहे हैं। दरअसल, ओड़ीशा और आंध्रप्रदेश बंगाल की खाड़ी से सटे हैं, इसलिए समुद्र में कम दबाव का क्षेत्र बनते ही बारिश कहर बरपाती है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बादल फटने और भारी बारिश का कारण कहीं न कहीं हिमालय क्षेत्र में आ रहे बदलाव भी माने जा रहे हैं।

इसमें संदेह नहीं कि मौसम संबंधी गतिविधियों में आ रहे बदलाव का बड़ा कारण जलवायु संकट है। और ऐसा सिर्फ भारत या एशियाई क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि पूरी धरती पर देखने को मिल रहा है। इसलिए जब तक हम जलवायु संकट से निपटने के उपायों पर ध्यान केंद्रित नहीं करेंगे, तब तक इससे निजात मिलना संभव नहीं है। हालांकि पिछले कुछ सालों में मौसम विभाग का आकलन भी दुरुस्त हुआ है। समय रहते भारी बारिश, खासतौर से तटीय राज्यों में समुद्री तूफान आदि के बारे में सटीक सूचना भी मिल जाती है। इससे लोगों को पहले ही सुरक्षित जगहों पर पहुंचा देना संभव हो गया है।

इसके अलावा आपदा प्रबंधन भी बेहतर हुआ है। लेकिन देखने में आ रहा है कि बारिश के कारण ज्यादातर शहरों में बाढ़ के हालात बन जा रहे हैं। ऐसा इसलिए नहीं कि पानी ज्यादा बरसता है, बल्कि शहरों के बेतरतीब विकास और बसावट ने पानी की निकासी के रास्ते बंद कर दिए हैं। नदियों के किनारे बसे शहरों ने तटों को भी नहीं बख्शा है। पहाड़ी राज्यों में विकास के नाम पर हो रहे निर्माण ने हमें विनाश के रास्ते पर धकेल दिया है। अगर कुदरत के कहर से बचना है तो पहले हमें इन मानव-जनित समस्याओं से निपटने के उपाय करने होंगे, जो आसान नहीं लगते।

विश्व हिन्दू परिषद की गोंदिया नगर के ८४ मंदिरों के समिति के सदस्यों के साथ सभा संपन्न

बुलंद गोंदिया - गोंदिया नगर स्थित अग्रसेन भवन में विश्व हिन्दू परिषद के मठ मंदिर समिति के द्वारा गोंदिया नगर के सभी मंदिरों के अध्यक्ष और समिति को आमंत्रित कर मंदिर समिति की सभा आयोजित की गयी। इस सभा का उद्देश सभी मंदिरों के अध्यक्ष व समिति के सदस्यों का आपस में परिचय व हिन्दू समाज को मंदिरों से कैसे जोड़ा जाए ये प्रमुख विषय पर चर्चा की गई। मंदिरों के समिति को मार्गदर्शन करने हेतु विश्व हिन्दू परिषद के 5 राज्यों के मठ मंदिर प्रमुख अरुण नेटके (महाराष्ट्र, गोवा, छतीसगढ़, गुजरात, मध्यप्रदेश) उपस्थित थे। सभा का मार्गदर्शन करते हुए अरुण नेटके ने कुछ महत्वपूर्ण जानकारी समिति को दी। जिसमे मंदिर आस्था का केंद्र है, वह कोई बिल्डिंग नहीं, मंदिर के पुजारी याने मंदिर का प्राण होता है. विहिप मठ मंदिर समिति की स्थापना 16 जुलाई 1968 को मुबई स्थित महालक्ष्मी मंदिर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक प.पु. गोळवलकर गुरुजी के उपस्थिति में की गई। मंदिर में दानपेटी में भक्तो द्वारा दक्षिणा के रुप में जो पैसे आते है उसका सदुपयोग कैसे करे, 9 लाख मंदिर भारत सरकार के कब्जे में है, पुरे भारत में मंदिर यह सेवा, संस्कार, शक्ति, जागरण, शिक्षण, आरोग्य, प्रचार का केंद्र है।

मंदिर में महत्वपूर्ण 7 कार्य जो कर सकते है उसकी बारे में बताया गया- 1) हर दिन मंदिर जाना, 2) चरण पादुका रखने के लिए सभी मंदिरों में स्टेंड लगाना 3) मंदिर में प्रतिदिन एक बोर्ड में पंचाग और सुविचार लिखना 4) तुलसी माता का पौधा रखना 5) मंदिर में गौमाता को रख कर उसकी प्रतिदिन पूजा करना 6) मंदिर में आने वाले हर भक्त को तीर्थ, प्रसाद और तिलक लगाना 7) मंदिर में प्रतिदिन आरती होना चाहिए और आरती करते समय कम से कम 10 भक्त रहे इसका प्रयास करना। ऐसे अनेक महत्व बताकर आखरी में आरती व प्रसाद कर बैठक को समाप्त किया गया।

सभा का संचालन हरीश अग्रवाल (विहिप, गोंदिया नगर सहमंत्री) द्वारा किया गया। सभा में विहिप के भीकम शर्मा (विहिप जिला अध्यक्ष), देवेश मिश्रा (विहिप, विदर्भ प्रान्त मंत्री), रमण सिंघल (विहिप, विभाग मंत्री), सचिन चौरसिया (विहिप जिला मंत्री), मुकेश उपराडे (विहिप जिला सहमंत्री), विठ्ठल कोठेवार (विहिप, जिला मठ मंदिर प्रमुख), अंकित वुरलकर्णी (बजरंग दल, जिला सहसंयोजक), मंदिर समिति से सुधीर बजाज (हनुमान मंदिर, सी.ला.), संजय जैन (दिगंबर जैन मंदिर), गोविन्द येड़े (गायत्री मंदिर), शिवलाल ढेकवार (हनुमान मंदिर, कारंजा), अनिल बिसेन (शिवधाम, पिंडकेपार), गजानंद अग्रवाल (शाकंभरी माता मंदिर, विजयनगर), बलराम शर्मा (छोटा राम मंदिर), शुभम चिखलौंडे (माता मंदिर, कटंगी), सीताराम मंडाले (शिव मंदिर, नागरा), विपिन बैस (गायत्री मंदिर), राजेश चतुर (शिवधाम, फुलचुर), रामचंद्र कटरे (हनुमान मंदिर, कुडवा), कमल लालवानी (भवानी मंदिर, सिन्धी कॉलोनी), रुपेश नशिने, (शीतला माता मंदिर, सि. ला.), विमल बघेल (शीतला माता मंदिर, संजय नगर), शिव अग्रवाल, (शिव मंदिर, मनोहर चौक), राहुल तिवारी (साईं मंदिर, रिंग रोड), आशीष कोटेवार (हनुमान मंदिर, शास्त्री वार्ड), घनश्याम विश्वकर्मा (गणेश मंदिर, सि.ला.), रवि हलमारे (गणेश मंदिर सि.ला.), सुरेन्द्र मेठी (शिव मंदिर, मेठी बगीचा), ज्ञानेश्वर भगत (हनुमान मंदिर), शालिकराम हनवते (सद्भावना विकास मंडल), शंकरलाल अग्रवाल (राम मंदिर, गणेश नगर), किशोर परिहार (शीतला माता मंदिर), सचिन शेंद्रे (हनुमान मंदिर), कैलाश रुंगटा (रानी सती मंदिर), दिनेश पटेल (रामदेवरा मंदिर), प्रितपाल होरा (गुरुद्वारा, रेलटोली), पंकज मिश्रा (हनुमान मंदिर, श्रीनगर), मुकेश चन्ने (विठ्ठल मंदिर, कृष्णपुरा वार्ड), अमित बिरिया (हनुमान मंदिर, सवाराटोली), तिलक लारोकर (विठ्ठल मंदिर, राजस्थानी स्कुल), मिलिंद समरित (विठ्ठल मंदिर, राजस्थानी स्कुल), सतीश चौहान (दत्त मंदिर, कटंगीनाका), सुधीर कायरकर (शीतला माता मंदिर, गौतमनगर), सुनील मंडारे (साईं मंदिर, टी.बी. टोली), राजेंद्र लदरे (दुर्गा मंदिर, सावराटोली), राकेश ठाकुर (हनुमान मंदिर, गौशाला वार्ड), रमा अग्रवाल (दुर्गा मंदिर, ब्रम्हवाडी), विनय मिश्रा (साईं मंदिर, मामा चौक), शंकर तिवारी (साईं मंदिर, मामा चौक), बब्लू गुरव (शीतला माता मंदिर), प्रदीप शुक्ला (हनुमान मंदिर फुलचुर रोड), कमलेश राठोड (रामदेवरा मंदिर), रामनाथ कोणार (महाकाली मंदिर, श्रीनगर), मोहनलाल अग्रवाल (लेते हनुमान मंदिर), शंभू ठाकुर (राम मंदिर), महेश करियार(काली माता मंदिर), अरुण दुबे (हनुमान मंदिर), छोटेलाल मिश्रा (ओम्कारेश्वर मंदिर), भोजराज ठाकरे (गायत्री शक्ति पीठ), हमेन्द्र बिसेन (शिव मंदिर, कुडवा), बाबा बिसेन (नाग मंदिर सेवा समिति), शंकर बिसेन (विठ्ठल मंदीर, फुलचुर), हंसराज बिसेन (माता मंदिर, फुलचुर), भाउराव भस्मे (गजानन मंदिर, शास्त्री वार्ड) इनकी उपस्थिति में बैठक संपन्न हुई।

यूपीएससी प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन आवेदन करें

अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए अवसर

बुलंद गोंदिया - संघ लोक सेवा आयोग सिविल सेवा (यूपीएससी) परीक्षा (प्रारंभिक, मुख्य, साक्षात्कार) की पूरी तैयारी के लिए कुल 100 अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों से जनजातीय अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान, पुणे के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। दिल्ली के एक प्रतिष्ठित निजी संस्थान से महाराष्ट्र राज्य के जनजाति के उम्मीदवार आ रहे हैं। उक्त योजना का विस्तृत विवरण, आवश्यक दस्तावेजों का सरकार का निर्णय आदि प्रदान किया जाता है। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए जनजातीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, पुणे कार्यालय की आधिकारिक वेबसाइट https://trti.maharashtra.gov.in पर जाएं और इस वेबसाइट पर दिए गए लिंक से ही ऑनलाइन आवेदन पत्र भरें। साथ ही अन्य विस्तृत जानकारी उपर्युक्त लिंक से उपलब्ध होनी चाहिए। हालांकि, गोंदिया जिले के अनुसूचित जनजाति के पात्र उम्मीदवार अधिक से अधिक लाभ उठाएं, परियोजना अधिकारी वी.एस. राचेलवार ने किया है।

भूतपूर्व सैनिक परिवारों को विशेष पुरस्कार

बुलंद गोंदिया - खेल, साहित्य, संगीत, गायन, वादन, नृत्य आदि विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता, सफल उद्यमी पुरस्कार के विजेता, कंप्यूटर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन, बाढ़, जलन, डकैती, दुर्घटना या पूर्व-सैनिक, पत्नी, बच्चे आदि जिन्होंने अन्य प्राकृतिक आपदाओं में मूल्यवान कार्य किया है और जिन्होंने ऐसे कार्य के लिए देश/राज्य की प्रतिष्ठा को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया है और भूतपूर्व सैनिक जिन्होंने 90प्रश से अधिक अंक प्राप्त किए हैं, वर्ष 2021-22 में 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा, पूर्व सैनिकों की पत्नी/बच्चों को 10 हजार रुपये के विशेष सम्मान से सम्मानित किया जाता है। भूतपूर्व सैनिक, पति, पत्नी, पूर्व सैनिकों के बच्चे जिन्होंने शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में दसवीं और बारहवीं बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं, वे अपना आवेदन और दसवीं और बारहवीं कक्षा की अंकतालिका के साथ वास्तविक प्रमाण पत्र लेकर आएं। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय 15 सितम्बर 2022 तक करें। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी गोंदिया ने सूचित किया है कि आवेदन गोंदिया में जमा कराये जाये। साथ ही आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश पाने वाले भूतपूर्व सैनिकों की विधवाओं और बच्चों के बच्चों को 25 हजार रुपये का विशेष पुरस्कार दिया जाएगा। यह जानकारी जिला सैनिक कल्याण अधिकारी गोंदिया ने दी है।

मेरा गणेशोत्सव मेरा मताधिकार

सजावट व दर्शन प्रतियोगिता का आयोजन

बुलंद गोंदिया - हर साल भाद्रपद मास की चतुर्थी के दिन महाराष्ट्र में गणेश भक्तों के घरों के साथ-साथ सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों में गणेश का आगमन होता है और वातावरण भक्ति भाव से भर जाता है। सार्वजनिक गणेशोत्सव की परंपरा, जो स्वतंत्रता के बाद सामाजिक ज्ञान के लिए शुरु की गई थी, अभी भी महाराष्ट्र में संरक्षित है। इसी प्रयास के तहत, महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय ने मेरा गणेशोत्सव मेरा मताधिकार विषय पर गणेशोत्सव दर्शन व सजावट प्रतियोगिता का आयोजन किया है। प्रतियोगिता का यह दूसरा वर्ष है। इस प्रतियोगिता में सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों के साथ नागरिक भाग ले सकेंगे।

गणेशोत्सव के दौरान, सार्वजनिक समूह ज्ञानवर्धक दृश्यों का प्रदर्शन करते हैं, और गणेश को हर घर में खूबसूरती से सजाया जाता है। सार्वजनिक मंडल प्रदर्शन और घर गणेश चतुर्थी की सजावट के माध्यम से सामाजिक संदेश भी दिए जाते हैं। इसी तर्ज पर माझा गणेशोत्सव माझा माताधिकार प्रतियोगिता की सामग्री भी भेजी जानी है, जिसमें फोटो और ऑडियो टेप भी शामिल हैं। मतदान 18 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों का कानूनी अधिकार है। इसके लिए प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराना चाहिए और अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए, मतदाता सूची में डुप्लीकेट नामों को समाप्त करने के लिए मतदाता पहचान पत्र में आधार कार्ड जोड़ना चाहिए। इस फॉर्मूले को मंडलों में उपस्थिति के माध्यम से केंद्र में रखना चाहिए, जबकि घरेलू स्तर पर गणेश-मखरा की सजावट, गणेश दर्शन के लिए घर आने वाले भक्तों में जागरुकता पैदा करने के लिए नवीन विचारों को लागू किया जा सकता है। साथ ही, वोट देने के अधिकार का प्रयोग करते हुए, जाति, धर्म, पंथ-मुक्त और अपने प्रतिनिधि का चुनाव करने जैसे विषयों पर जागरुकता पैदा कर सकता है, किसी की उपस्थिति और सजावट के माध्यम से पैसे या अन्य लालच के बिना वोट देने के अधिकार का प्रयोग कर सकता है। उक्त प्रतियोगिता के विस्तृत नियम मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की वेबसाइट https://ceo.maharashtra.gov.in और सोशल मीडिया पर दिए गए हैं। गणेशोत्सव मंडलों और घर गणेशोत्सव की सजावट के प्रतियोगियों से अनुरोध है कि वे 31 अगस्त से 9 सितंबर 2022 तक गूगल फॉर्म https://forms.gle/6j7ifuUA4YSRZ6AU7 भरकर अपनी दृश्य-सजावट सामग्री भेज दें।

विधायक विनोद अग्रवाल के प्रयासों से धान खरीदी के लिए ६ लाख क्विंटल धान का लक्ष्य हुआ मंजूर

सरकार को दिया धन्यवाद

बुलंद गोंदिया - जिले की धान खरेदी में बडे पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ था असे ध्यान में आया था। अनेक धान खरेदी केंद्र में किसानो का धान न लेते हुए व्यापारीयो का धान लिया जा रहा ऐसे मामले सामने आये थे। जिसके कारण किसानो को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। जिसके लिए विधायक विनोद अग्रवाल ने लगातार पाठपुरावा कर राज्य के मानसून सत्र में यह आवाज उठाई और दोषियों पर कडक कार्यवाही की जाए ऐसी मांग सत्र में की। साथ ही इसके साथ किसानो के धान के लिए 6 लाख क्विंटल धान का लक्ष्य मंजूर कराया। इसमें जिन किसानो का धान गोडाउन अथवा घरो में है उन किसानो ने

अपने नजदीकी धान खरेदी केंद्र में जाकर धान विक्री करना चाहिए, ऐसे भी आव्हान विधायक विनोद अग्रवाल ने दिए है। राज्य सरकार और केंद्र सरकार के इस निर्णय के लिए उन्होंने मन से आभार व्यक्त भी किया है।

जिले में कृषी विभाग के द्वारा किये गए धान के फसल की खेती का सर्वे और किसानो द्वारा किये गए उत्पादन में काफी अंतर था। जिसके कारण किसानो को अन्य समस्याओ सामना करना पड़ा। अनेक धान खरेदी केंद्र में घोटाला हुआ है ऐसा दिखाई दिया। लेकिन विधायक विनोद अग्रवाल के प्रयत्नों से यह समस्या का निराकरण हुआ है। विधायक विनोद अग्रवाल सदैव जनता के हित और किसानो की समस्या सुलझाने के लिए गल्ली से दिल्ली तक पाठपुरावा करते है और उनका निराकरण करवाते है ऐसे कई कार्य उन्होंने अपने 2.5 वर्ष के कार्यकाल में ही कर दिखलाया है। साथ ही विधायक विनोद अग्रवाल ने धान खरेदी केंद्र की मुद्दत हो या लक्षांक हो इसके लिए मुंबई दिल्ली तक का सफर भी किया है और किसानो को न्याय दिलाया है।

पूर्व विधायक राजेंद्र जैन की उपस्थिती में तिरोडा शहर राष्ट्रवादी काँग्रेस की समीक्षा सभा संपन्न

बुलंद गोंदिया - तिरोडा स्थित कुंभारे लॉन में तिरोडा शहर राष्ट्रवादी काँग्रेस की सभा पूर्व विधायक राजेंद्र जैन की प्रमुख उपस्थिती में संपन्न हुई। इस सभा में शहर के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं से पक्ष संगठन संबंधी चर्चा की एंव शहर की विविध समस्याओं से अवगत कराया। किसानो के पारंपरिक पर्व बैलपोले की सभी किसान भाईओ को शुभकामनाये देते हुये पूर्व विधायक राजेंद्र जैन ने कहा कि, आगामी नगर परिषद के चूनाव मे हम सभी को साथ मिलकर कार्य करना हैं। राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी के महीला, युवक, युवती, विद्यार्थी, ओबीसी, मागासवर्गीय सेल सहित सभी संगठन के लोगो ने पक्ष संगठन को मजबूत करने की जबाबदारी लेनी चाहीये। पक्ष मज़बूती के लिये हर प्रभाग मे सदस्यता अभियान व एवं बुथ कमेटी तैयार करने हेतु पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को जवाबदारी लेना होगा। तिरोडा नगर परिषद चुनाव मे सभी एकजुट होकर काम करेंगे तो राष्ट्रवादी कांग्रेस की सत्ता आना असंभव नहीं। मैं सभी को आश्वस्त करता हु, सांसद प्रफुल पटले के माध्यम से तिरोडा शहर के विकास व सदैव जनहित के कार्यो को करते रहेंगे। यह बात पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन ने संबोधित करते हुए कही।

इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, डॉ.अविनाश जायस्वाल, नरेश कुंभारे, अजय गौर, राजेश गुनेरिया, सलीम जवेरी, विजय बनसोड, प्रभु असाटी, अनिल पारधी, मुन्ना उपवंशी, ममता बैस, राखी गुनेरियां, ममता हट्टेवार, जगदीश कटरे, प्रशांत डहांटे, बाडू येरपुडे, राहुल गहेरवार, बबलू ठाकुर, भोजराज धामेचा, मुकेश बरियेकर, राजेश श्रीरामे, संदीप मेश्राम, नागेश तरारे, गोपी पुडके, नरेश धुर्वे, सिंधु हीरापुरे, अतुल गजभिये, स्वप्निल सहारे, विशेष छूगाणी सहीत बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ते उपस्थित थे।

घनकचरा प्रकल्प बाढ़ पीड़ितों व भूमि पट्टे के संदर्भ में जिला अधिकारी नयना गुंडे को दिया निवेदन

बुलंद गोंदिया - गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत की विभिन्न समस्याओं जिसमें शहर के कचरा संबंधित व घनकचरा प्रकल्प बाढ़ पीड़ितों की समस्या तथा गौरी नगर निवासियों के भूमि पट्टे के संदर्भ में व अन्य ज्वलंत समस्याओं पर निवेदन देकर हल करने की मांग की गई। इस अवसर पर इन सभी विषयों पर चर्चा हुई, जिसमें यह बात सामने आयी कि जिला अधिकारी गोंदिया शहर की कचरे की समस्या के मामले में काफी क्रियाशील है तथा लोगों की परेशानियों से वे चिंतित भी है। साथ ही नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर नाराजगी व्यक्त की तथा जल्द ही इस समस्या को लेकर वे स्वयं स्पॉट निरीक्षण कर सकारात्मक हल करने का आश्वासन दिया। साथ ही गोंदिया शहर की जनता को स्वच्छ व कचरा मुक्त बनाने के लिए वह योजना बना रही है तथा जल्द ही जिलाधिकारी द्वारा शहर निवासियों को कचरा मुक्ति की खबर देंगी। यदि इस मामले में संभव हुआ तो शहर के जागरुक नागरिकों के साथ एक सभा भी करने का प्रयास जारी है।

इसके साथ ही शहर की दूसरी ज्वलंत समस्या शहर में पढ़ाई के लिए आने वाली विद्यार्थियों व अन्य कार्य से गोंदिया आने वाले आने वाले माता बहनों की सुविधा के लिए जयस्तंभ चौक बस स्टॉप के समीप स्वच्छता ग्रह की व्यवस्था नहीं होने से होने वाली परेशानियों के संदर्भ में भी चर्चा की गई तथा जल्द ही सुलभ शौचालय जैसी व्यवस्था शुरु करने के लिए नियोजन करने की योजना बनाने का संबंधीतो को निर्देश दिया। जिससे हजारों की संख्या में ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं तथा माता बहनों को इस गंभीर समस्या से निजात मिल सकेंगे। निवेदन देते समय तथा इन समस्याओं पर चर्चा करते समय चर्चा में चर्चा के अवसर पर गजेंद्र फुंडे, सुनील केलनका, एड्. हेमलता पतेह, बाला मुनेश्वर तथा गौरी नगर परिसर के नागरिक उपस्थित थे।

सालेकसा तहसील के २०० किसानों का ५ हजार क्विंटल धान खरीदी की दे मंजूरी - पूर्व विधायक पुराम

जिलाधिकारी को निवेदन देकर की मांग

बुलंद गोंदिया - राज्य सरकार द्वारा 31 अगस्त 2022 तक किसानों के धान खरीदने की समय अवधि बढ़ाई गई, किंतु सालेकसा तहसील के 200 किसानों जिनका पंजीयन किया गया है लेकिन उनके धान की खरीदी नहीं हो पाई है। जिसके लिए किसानों का 5000 क्विंटल धान खरीदने की मंजूरी देने की मांग पूर्व विधायक संजय पुराम द्वारा जिलाधिकारी को निवेदन देकर की है।

गौरतलब है कि सालेकसा तहसील के सहकारी भात गिरनी सालेकसा व कोटजंबूरा इन खरीदी केंद्रों पर करीब 200 किसानों द्वारा अपना पंजीयन किया है। दिनांक 7 जुलाई 2022 को धान खरीदी की समय अवधि बढ़ोतरी की मंजूरी मिली थी किंतु 1 घंटे में ही धान खरीदी हो जाने से शासन द्वारा दिया गया लक्ष्य समाप्त हो गया था। जिसके चलते 7 जुलाई 2022 को संबंधित किसानों की धान खरीदी नहीं हो पाई थी। किंतु अब राज्य सरकार द्वारा 31 अगस्त 2020 तक समय अवधि बढ़ाई गई है। जिसके लिए 200 किसानों का 5000 क्विंटल धान खरीदी करने की मंजूरी सहकारी बाद गिरनी सालेकसा संस्था को देना आवश्यक है तथा ग्राम पंचायत कोटजंबूरा में धान का संग्रहण करने के लिए गोदाम भी उपलब्ध है। परंतु धान खरीदी के लिए सालेकसा तहसील में जिन संस्थाओं को मंजूरी मिली है उनके पास तहसील में गोदाम उपलब्ध नहीं है जिसके चलते उनके द्वारा आमगांव तहसील में धान खरीदी के लिए किसानों को बुलवाया जा रहा है इससे किसानों को परेशानी हो रही है। जिसके चलते उपरोक्त संस्था को मंजूरी देने की मांग पूर्व विधायक संजय पुराम द्वारा की गई है।

इस अवसर पर सालेकसा तहसील के अनेक किसान उपस्थित थे। विशेष यह है कि वर्तमान में जिन संस्थाओं को धान खरीदी की मंजूरी दी गई है उनके द्वारा ही 7 जुलाई को 1 घंटे में खरीदी दिखाई गई थी, जिससे उपरोक्त संस्था की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह निर्माण हो रहा है। किंतु जिला मार्केटिंग फेडरेशन द्वारा फिर से उन संस्थाओं को धान खरीदी की मंजूरी देना जिला मार्केटिंग फेडरेशन की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह निर्माण हो रहा है।

संबंधित दोषी अधिकारियों से किसानों को मिले हर्जाना

सालेकसा तहसील के 200 किसानों का 5000 क्विंटल धान की खरीदी यदि समय पर नहीं होती तो संबंधित दोषी अधिकारियों से उपरोक्त किसानों को शासकीय दर के अनुसार धान की कीमत देने की मांग भी की है। यदि उपरोक्त कार्रवाई नहीं होती तो किसानों के साथ आंदोलन किया जाएगा।

- पूर्व विधायक संजय पुराम

देश की प्रगति उसके मानव संसाधन विकास पर निर्भर करती है - शिक्षा अधिकारी महेंद्र गजभिये

बुलंद गोंदिया - किसी भी देश की प्रगति उसके मानव संसाधन विकास पर निर्भर करती है। शिक्षा अधिकारी महेंद्र गजभिये ने राष्ट्रीय खेल दिवस कार्यक्रम के मौके पर कहा कि उभरते खिलाड़ी हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद से प्रेरणा लेकर देश के लिए देशभक्ति और स्वाभिमान के साथ खेलें।

राष्ट्रीय खेल दिवस 29 अगस्त को मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में जिला खेल परिसर मरारटोली गोंदिया में जिला खेल अधिकारी कार्यालय और जिला खेल परिषद गोंदिया के सहयोग से खेल और युवा सेवा महाराष्ट्र राज्य पुणे निदेशालय के तहत आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षा अधिकारी महेंद्र गजभिये ने की। जिला कोषाधिकारी चंद्रशेखर अंबोले, अपर कोषाधिकारी नंदकिशोर भंडारे, महिला एवं बाल कल्याण विस्तार अधिकारी तीर्थराज उके, राज्य खेल गाइड एन.एस. उइके मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित थे।

आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर जिला खेल अधिकारी कार्यालय द्वारा 14 अगस्त को जिला खेल परिसर गोंदिया में जिला स्तरीय मिनी मैराथन (5 किमी) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अ) स्कूल ग्रुप (लड़के) 14 से 19 वर्ष प्रथम निखर भलवी, द्वितीय श्रेणी डोनोड, तृतीय मनीष मेश्राम। ब) कॉलेज ग्रुप (लड़के) 20 से 25 साल पहले सागर सिंह पवार, दूसरा आदित्य सोनूले, तीसरा संदीप चिखलोंडे। क) वयस्क समूह (पुरुष) प्रथम महेंद्र मुरकुटे, द्वितीय अमोल चचाने, तृतीय सागर जीते। विजेता प्रतिभागियों को प्रथम पुरस्कार के लिए 5 हजार रुपये, द्वितीय के लिए 3 हजार रुपये और तीसरे के लिए 2 हजार रुपये और पदक, प्रमाणपत्र और बुके देकर सम्मानित किया गया।

साथ ही वर्ष 2018-19 में खेलकूद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों को प्रोत्साहन अनुदान के माध्यम से निम्नलिखित पुरस्कार प्रदान किए गए। भारतीय ज्ञानपीठ स्कूल गोंदिया को एक लाख रुपये, शारदा कॉन्वेंट इंग्लिश हाई स्कूल गोंदिया को 75 हजार रुपये, 14 साल से कम उम्र के लड़के/लड़कियों के लिए लिटिल फ्लावर स्कूल गोंदिया को 50 हजार रुपये। भारतीय ज्ञानपीठ स्कूल गोंदिया को एक लाख रुपये, लिटिल फ्लावर स्कूल गोंदिया को 75 हजार रुपये, साकेत पब्लिक स्कूल गोंदिया को 17 साल से कम उम्र के लड़के/लड़कियों को 50 हजार रुपये। साकेत पब्लिक स्कूल गोंदिया को एक लाख रुपये, लिटिल फ्लावर स्कूल गोंदिया को 75 हजार रुपये और 19 साल से कम उम्र के लड़के/लड़कियों के लिए नूतन कॉलेज गोंदिया को 50 हजार रुपये का प्रोत्साहन अनुदान वितरित किया गया। साथ ही दीप डोंगरे एवं कोच हेमकृष्ण बाहेकर को राज्य स्तरीय एथलेटिक एसोसिएशन के माध्यम से नासिक में 26 एवं 27 अगस्त 2022 को आयोजित राज्य स्तरीय एथलेटिक प्रतियोगिता में 5000 मीटर दौड़ में दूसरा स्थान (रजत पदक) हासिल करने पर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन खेल अधिकारी एबी मरसाकोले ने किया, जबकि धनंजय भरसकले ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। कार्यक्रम की सफलता के लिए शिवचरण चौधरी, हेमकृष्णा बाहेकर, विनेश फुंडे, शेखर बीरनवार, सुमीत सूर्यवंशी, जयश्री भंडारकर ने कड़ी मेहनत की।

राज्यपाल से की अंतर्राज्यीय डांगोर्ली बांध के निर्माण की मांग

बुलंद गोंदिया - भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले के साथ पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने राज्य के राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी से भेंट की। इस अवसर पर विधायक गोपालदास अग्रवाल ने राज्यपाल कोश्यारी को गोंदिया विधानसभा क्षेत्र और जिले की मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ से लगी हुई विशिष्ट भौगोलिक परिस्थिति, नक्सलवाद की समस्या एवं वर्तमान विकास की योजनाओं के क्रियान्वयन की परिस्थितियों से अवगत कराया। मुख्य रुप से गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली बाघ नदी पर प्रस्तावित डांगोर्ली अंतर्राज्यीय बांध के निर्माण से महाराष्ट्र के साथ-साथ मध्यप्रदेश के लगभग 50000 हेक्टर कृषि भूमि की सिंचाई क्षमता में बढ़ोतरी होगी तथा उस पर बांध के निर्माण के लिए दोनों

राज्यों सरकारों को योग्य दिशा निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया। इसके साथ ही उनके प्रयासों से स्थापित शासकीय मेडिकल कॉलेज शासकीय पॉलिटेक्निक एवं शासकीय एएनएम जीएनएम नर्सिंग कॉलेज की भी जानकारी दी।

इस अवसर पर पूर्व विधायक गोपाल दास अग्रवाल ने महामहिम राज्यपाल को अगस्त माह में जिले में अतिवृष्टि से मकानों और किसानों की फसल को हुए नुकसान की जानकारी दी तथा राज्य सरकार द्वारा मंजूर सहायता राशि जल्द से जल्द आपदाग्रस्तों तक पहुंचाने के निर्देश राज्य सरकार को दिए जाने के संदर्भ में अनुरोध किया। राज्यपाल द्वारा सभी विषयों पर उचित दिशा निर्देश देने का आश्वासन दिया साथ ही राज्यपाल को गोंदिया जिले के नागझीरा, नवेगांव बांध क्षेत्रों का भी दौरा करने का अनुरोध किया। जिस पर राज्यपाल ने सहमति देते हुए जल्द ही गोंदिया जिले का दौरा कार्यक्रम बनाने के निर्देश संबंधितों को दिए। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, प्रदेश भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष योगेश तिलेकर, उपाध्यक्ष अनूप मोरे व प्रफुल अग्रवाल उपस्थित थे।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।